भारत डायनामिक्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम, रक्षा मंत्रालय)
निगम कार्यालय :: गच्ची बाउली, हैदराबाद

बीडीएल/104/बीडी-सीसी/एम आर/04 दि. 1 अप्रैल, 2021

<u>प्रेस-विज्ञप्ति</u>

महानिदेशक, ए ए डी ने भारतीय थल सेना को 'आकाश' मिसाइल की सुपुर्दगी के लिए झंड़ी दिखायी

बी डी एल द्वारा बनायी जा रही 'आकाश' मिसाइल का भारतीय थल सेना को सुपुर्दगी के लिए आज लिफ्टिनेंट जनरल, ए पी सिंह, अविसेमे, महानिदेशक एवं वरिष्ठ कर्नल कमांडेंट, थलसेना वायुरक्षा ने झंड़ी दिखायी।

बी डी एल द्वारा भारतीय थल सेना और भारतीय वायु सेना के लिए आकाश मिसाइलें तैयार की जा रही हैं। 96% देशी घटकों से डी आर डी ओ द्वारा अभिकल्पित एवं विकसित आकाश अस्त्र प्रणाली बी डी एल द्वारा अपनी हैदराबाद इकाई में तैयार की जा रही है। इसमें बड़ी संख्या में आपूर्ति श्रृंखला भागीदार, रक्षा उपक्रम, एम एस एम ई और निजी उद्योग शामिल हैं। आकाश मिसाइल की 1.8 से 2.5 मैक की गति से अधिकतम 25 किलोमीटर और 20 कि.मी. अल्टीट्यूड की वायु जोख़िमों का सामने करना की मारक क्षमता है। इस मिसाइल का कई बार सफल परीक्षण हो चुका है और यह इस श्रेणी की उत्तम मिसाइलों में से एक है।

आकाश अस्त्र प्रणाली के निर्यात के संबंध में यूनियन कैबिनेट से प्राप्त हमति से यह निर्यात आदेश प्राप्त करने के लिये बी डी एल तैयार है। बी डी एल द्वारा विभिन्न देशों को आकाश मिसाइल के निर्यात के लिये प्रयास किये जा रहे हैं। शीघ्र ही कार्य-आदेश प्राप्त होने की उम्मीद है। देशी और विदेशी मॉग को साथ-साथ पूरा करने के लिए बी डी एल के पास सारी सुविधाएँ मौज़ूद हैं।

बी डी एल, अधिकतम देशी घटकों को शामिल करते हुए 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने पर जोर दे रहा है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के इस संदर्भ में बी डी एल के उत्पादों में से आकाश अस्त्र प्रणाली ऐसा ही एक उत्पाद है। कार्यक्रम के अगले चरण में महानिदेशक, ए ए डी ने ऑडिटोरियम का उद्‌घाटन भी किया।

दि. 01 अप्रैल, 2021 को भारतीय थल सेना को आकाश मिसाइल की सुपुर्दगी के लिए झंड़ी दिखाते हुए
लेफ्टिनेंट जनरल ए पी सिंह, अविसेमे, महानिदेशक एवं वरिष्ठ कर्नल कमांडेंट, थल सेना वायु रक्षा।

दि. 01 अप्रैल, 2021 को बी डी एल में ऑडिटोरियम का उद्घाटन करते हुए
लेफ्टिनेंट जनरल ए पी सिंह, अविसेमे, महानिदेशक एवं वरिष्ठ कर्नल कमांडेंट, थल सेना वायु रक्षा।